IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

राइटटूरिप्लाईबदलसकताहैमीडियाकाचेहरा

सतीशकुमारसिंह

मॉसकम्यूनिकेशनकेछात्रोंऔरमीडियाकेआधेसेकमसदस्योंकोहीयेपताहैकिराइटटूरिप्लाई (उत्तरयासुधारकाअधिकार) क्याहै? वहइसलिएकिइसकीउपयोगिताभीउतनीहीहैजितनीइसकीलोकप्रियता।भारतजैसेलोकतांत्रिकदेशमेंभीराइटटूरिप्लाईकमोबेशमीडियाकीमर्सी (दया) परनिर्भरहोकररहगयाहै।लोकतंत्रबिनास्वतंत्रसूचनातंत्रकेकामनहींकरसकता।खास करमीडियामें।औरस्वतंत्रतामीडियाघरानोंकाविशेषाधिकारनहींहोनाचाहिए। 1

फ्रीडमआफस्पीड (अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता) केतहतराइटटूरिप्लाईपर काफीसमय से चर्चा होरही है। दरअसल, इस काकांसेप्टहीनिष्पक्षताकेसिद्धांतपरआधारितहै। सटीकताऔरनिष्पक्षता (accuracy and fairness) औरमानहानिकेप्रतिसजगता (caution against defamatory writing) दोऐसेबिन्दुहैं, जिनसेराइटटूरिप्लाईकोकाफीहदतकसुनिश्चितकियाजाताहै।लेकिनयेदोनोंहीनैतिकरूपसेज रूरीहै, कानूनीरूपसेनहीं।

उत्तरकेअधिकारकामतलबहैकिअगरकिसीव्यक्तिपरमीडियामेंहमलाहोताहैयाउसकेसम्मानकोठेसपहुंचतीहैतोविशेषपरिस्थिति (जोराज्यकेअनुसारबदलसकतीहै) कोछोड़करउसव्यक्तिकोअधिकारहोगाकिवहअपनाजवाबउसीमाध्यममेंप्रकाशितकरवाएजहांउसकेबारेमेंपहलेप्रकाशितहुआहै। 2 इसपरमीडियाकर्मियों, खासकरकईसंपादकोंनेकड़ीआपत्तिजताई। उनकामाननाहैकियहफ्रीडमआफस्पीचकेअधिकारकाहननहै।उसपरअंकुशहै।शायदइसीलिएआजतकराइटटूरिप्लाईकोसंवैधानिकदर्जानहींमिलाहै। --

संपादककोअधिकारहैकिवहसरकारकीनीतियोंपरतीखेहमलेकरे, क्योंकिइससेकईविवादास्पदविचारसामनेआतेहैं।लेकिन निश्चितरूपसेएकसंभावितरूपसेबदनामकरनेवालेलेखकेउत्तरकोप्रकाशितनहींकरनेकाअधिकार मूल्योंकेउसीसीमातकगिरावटकीआशंकाकोजन्मदेताहै।"3

भारत में चाहेउत्तर केअधिकार कोसंवैधानिक दर्जा नहीं है, लेकिन यूरोपमेंऑस्ट्रिया, जर्मनी, फ्रांस, हंगरी, इटली, नीदरलैंड्स, नॉर्वे, स्पेन, स्विट्जरलैंडसमेतकईदेशोंमेंइसेअलग-अलगकानूनोंकेजरियेकिसीनकिसीफॉर्ममेंलागूकियागयाहै। (4) यूरोपसेबाहरब्राजीलमेंयेसंविधानकाहिस्साहै।वहांकेलिखितसंविधानमेंडेरिईटोडेरेस्पोस्टा Direito de resposta केरूपमेंहरव्यक्तिकाअधिकारहै।पुर्तगालीकेडेरिईटोडेरेस्पोस्टाकोइंग्लिशमेंराइटऑफरिप्लाईहीकहेंगे।

प्रेसकाउंसिलनेलगायाहैथोड़ाअंकुश

Press Council of India ने NORMS OF JOURNALISTIC CONDUCT मेंभीराइटटूरिप्लाईकेबारेमेंस्पष्टव्याख्याकीहै।लिखाहैकि *जब किसी भी तथ्यात्मक त्रुटि या गलती का पता चलता है या पुष्टि की जाती है, तो समाचार पत्र को गंभीरता के साथ माफी की अभिव्यक्ति का सुधार के साथप्रकाशनकरना चाहिए।इसकेलिएकिसीभीतरहकाशुल्कनहींलियाजासकता।* यदि संपादक को प्रभावितपक्षकीबातों औरतथ्योंमेंविरोधाभास / स्पष्टीकरण की सत्यता या तथ्यात्मक सटीकता पर संदेह है, तो वह अंत में अलग से अप नीबातजोड़ने के लिए स्वतंत्रता पर होगा। प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम के माध्यम से रेज़ोइडर (पीड़ितपक्षकीबात) के अ धिकार का दावा नहीं किया जा सकता है, क्योंकि एक संपादक की विवेकाधीन शक्तियों के भीतर एक सम्मेलन के समाचार का प्रकाशन / कवरेज होता है। 5

यूरोपीयदेशोंमेंयेएककानून

&&&&&&&&&&&&&

1974 मेंहीकाउंसिलऑफयूरोपमेंकमेटीऑफमिनिस्टर्सनेसभीलोगोंकोराइटऑफरिप्लाईकाअधिकारदेनेवालारिजोल्यू शनपासकियाथा।येसभीप्रकारकेमीडिया (समाचारपत्र, रेडियो, टीवी) केलिएथा। 6

2006 में यूरोपीयसंघवकाउंसिलऑफयूरोपदोनोंनेहीराइटऑफरिप्लाईपररेकमंडेशन्सदिएहैं, मगरपूरेयूरोपकेलिएकोईस र्वमान्यकानूननहींबनपाया। (7 & 8)

जर्मनीकेसभी 16 राज्यराइटटूएकाउंटरप्रेजेंटेशनकोकानूनीमान्यतादेतेहैं।यहांइसकानूनकाजन्म 1874 मेंहुआथा, जिस मेंबादमेंबदलावभीहुए।

ऑस्ट्रियाऔरस्विट्जरलैंडदोनोंहीदेशोंमेंइसअधिकारसेजुड़ाकानूनबनाहुआहै।

फ्रांसमेंयेकानून 1881 मेंलागूहुएलॉऑनदफ्रीडमऑफदप्रेसकेआर्टिकल 13 काहिस्साहै।बादमेंइसमेंसंशोधनकरब्रॉड कास्टऔरडिजिटलमीडियाकोभीइसकेदायरेमेंलायागया।

बेल्जियममें 1831 मेंलागूहुएडिक्रीऑनदप्रेसकेआर्टिकल 13 मेंराइटटूरिप्लाईकाप्रोवीजनदियागयाहै।कालांतरमेंवहां इसमें 2005 तकसंशोधनहोतेरहेहैं।प्रिंट, ब्रॉडकास्टऔरडिजिटलमीडियाइसकेदायरेमेंआताहै।

अमेरिकामेंराइटऑफरिप्लाईकिसीभीस्वरूपमेंलागूनहीं

संयुक्तराष्ट्रने 24 अगस्त,
1962 कोइंटरनेशनलराइटटूकरेक्शनकोमान्यताप्रदानकीहै।अमेरिकामेंइसअधिकारकीकानूनीलड़ाईकाकाफीरोचकइतिहासरहाहै।मगरआजकीतारीखमेंवहांराइटऑफरिप्लाईकिसीभीस्वरूपमेंलागूनहींहै।

अमेरिकामेंइसकानूनपरकाफीबहसहोचुकीहै।वहांफ्लोरिडाराज्यनेऐसाकानूनलागूकियाथा, मगरसुप्रीमकोर्टमेंसरकारमियामीहेराल्डपब्लिशिंगकंपनीसेमुकदमाहारगई।येकानूनप्रिंटमीडियासेजुड़ाथा, जोरद्दकरदियागया। 9

वहींफेडरलकम्युनिकेशन्सकमिशन (एफसीसी) ने 1949 मेंफेयरनेसडॉक्टराइनलागूकियाथा।येब्रॉडकास्टर्ससेजुड़ाथा, जोउन्हेंबाध्यकरताथाकिवेअपनेएयरटाइमकाकुछसमयजनताकेहितोंसेजुड़ेविवादोंपरबहसकोदेंऔरइसमेंकाउंटरव्यूकोभीप्रेजेंटकरें।इसे 1969 मेंसुप्रीमकोर्टमेंचुनौतीदीगई।मगरशीर्षअदालतनेइसपॉलिसीकोसहीमाना।हालांकि 1987 मेंएफसीसीनेखुदहीइसपॉलिसीकोखत्मकरदिया। 2011 मेंइसेफेडरलरजिस्टरसेभीहटादियागया।

ब्रिटेनमेंमीडियानेलागूकिया, परकानूननहीं

ब्रिटेनमेंब्रॉडकास्टर्सवप्रिंटमीडियासंगठनोंकीअपनीरेगुलेटरीबॉडीजकेगाइडलाइन्समेंराइटऑफरिप्लाईतोलागूहै, मगरकोईकानूनीबाध्यतानहींहै।

बीबीसी British Broadcasting Corporation (BBC) के संपादकीय दिशानिर्देशों में कहा गया है: जब प्रेसकिसीकीआलोचनाकरताहैतोजिसकीआलोचना होतीहैउसेभी "जवाब का अधिकार" दिया जाना चाहिए।हां, अगरहमगंभीरआरोपोंऔरअपराधीछविकेलोगोंकापक्षलेतेहैंतोऐसीस्थितिमेंसंपादकीयनीतिकोदेखनाऔरकानूनीसलाहलेनाअनिवार्यहोताहै। उत्तर का अधिकार केलिएकोई निर्धारित फार्मेटनहीं है। हम एक साक्षात्कार की पेशकश कर सकते हैं; पीड़ितपक्षसेलिखित बयान का अनुरोध करसकतेहैं।टेलीफोन परहमउनकापक्षलेसकतेहैं।इनसभीविकल्पोंकोचुननेकासिर्फएकहीआधारहोगा- अपराधयाआरोपकीगंभीरता। फार्मेटकुछभीहोलेकिनयेसुनिश्चितकरनाचाहिएकिप्रभावितपक्षकीसभीजरूरीजानकारी, तथ्यऔरतर्कप्रकाशितहोजाएं। 10

उत्तर के अधिकार के लिए समय

प्रतिक्रिया की अनुमति के लिए समय की मात्रा को परिस्थितियों के अनुसार बदल जाएगा। समयतयकरनेकेलिएआरोपों की प्रकृति और जटिलता कोभीदेखनाजरूरी है।साथयेदेखनाभीजरूरीहैकि क्या जनहित में संबंधीसमाचारकाप्रसारण तुरंतकरनाजरूरीहैकिनहीं।अगरनहींतोसमयऔरबढ़ायाजासकता है। निष्पक्ष होने के लिए हमें उन तथ्योंकोहीजवाबमेंशामिलकरनाचाहिएजिनकेबारेमेंआरोपलगेहों।उन सामग्रियों को शामिल करना आवश्यक नहीं है जिन्हें आरोपों के लिए अप्रासंगिक माना जा सकता है।

अन्यदेशोंकीस्थिति

साउथअफ्रीकाकेसंविधानकेमूलड्राफ्टमेंराइटऑफरिप्लाईमौजूदथा, मगरजबसंविधानलागूहुआतोउसमेंसेयेहिस्साहटादिया गया। (11)

कईदेशोंमेंअलग-

अलगकानूनोंमेंराइटऑफरिप्लाईकाप्रोवीजनतोहै, मगरस्पष्टतौरपरनहीं।उदाहरणकेलिएब्रिटेनकेमानहानिकानूनमेंयेप्रोवीजनहैकिजिसव्यक्तिकीमानहानिहुईउससेउसकापक्षपूछागयाकिनहीं।हालांकियदिमामलेमेंआरोपीबनायागयामीडियायेसाबितकरेकिउसनेपीड़ितसेपक्षजाननेकेलिएअनुरोधदियाथातोमामलाखत्महोजाताहै। (12)

कईदेशोंमेंरिट्रैक्शनयानीखंडनकेजरियेराइटऑफरिप्लाईलागूहै।इनदेशोंमेंयदिमीडिया, अपनीप्रकाशितयाप्रसारितखबरकाखंडनछापदेतोमानहानिकेएवजमेंभरेजानेवालेमुआवजेकीराशिकमहोजातीहै। (13)

राइटऑफरिप्लाई : पक्षऔरविपक्ष

राइटऑफरिप्लाई : पक्षऔरविपक्ष

1

इसअधिकारकोलागूकरनेकेपक्षधरयेमानतेहैंकिइसकेजरियेजनतातकपूरीतस्वीरऔरसहीतथ्यपहुंचतेहैं।

जबकिइसकेविरोधीयेमानतेहैंकियेएकसंपादककेअभिव्यक्तिकीस्वतंत्रताकेअधिकारकाहननहै।रिप्लाईकेतौरपरउसेवहबातप्रकाशित/प्रसारितकरनीपड़तीहैजिससेवहसहमतनहींहैऔरजिसेवहगलतमानताहै।

2

अधिकारकेपक्षमेंदलीलदीजातीहैकिलोकतंत्रमेंसूचनाऔरअभिव्यक्तिकानिर्बाधप्रवाह, खासतौरपरमीडियामें, अनिवार्य है।मगरइसअधिकारकेबिनाफ्रीडमऑफस्पीचकाअधिकारसिर्फमीडियाघरानोंकीबपौतीबनजाताहै। (14) इसअधिकारकेजरियेहीअसलमेंहरव्यक्तिकेफ्रीडमऑफस्पीचकोसुनिश्चितकियाजासकताहै।

विरोधियोंकीदलीलहैकियेअधिकारलागूहोनेसेमीडियाकीवॉचडॉगकीभूमिकाबाधितहोतीहै।इसकीवजहसेमीडियाखुलकरकामनहींकरपाताहै।

3

अधिकारकेविरोधियोंकाकहनाहैकिइसकीवजहसेमीडियापरअतिरिक्तआर्थिकभारभीपड़ताहै।जिसव्यक्तियासमूहकेखिलाफरिपोर्टपेशकीजारहीहै, उससेपक्षलेनेमेंउसेअतिक्तखर्चवअतिरिक्तमानवश्रमलगानापड़ताहै।ऐसेमेंसंभवहैकिमीडियाहाउसउसखबरकोप्रकाशित/प्रसारितकरनेसेहीकतराए।

अधिकारकेपक्षधरकहतेहैंकिइसकेउलटयदिपीड़ितकेपक्षकेजरियेपूरीबातजनताकेसामनेआतीहैतोखबरमेंउसकीरुचिबढ़ेगी।इसकीवजहसेमीडियाहाउसकोप्रसारसंख्यायाव्यूअरशिपमेंबढ़ोतरीकालाभमिलेगा।

4

अधिकारकेविरोधमेंदलीलदीजातीहैकिइसकीवजहसेकिसीभीविवादितमुद्देमेंजनताकीरुचिकमहोजातीहै।खबरकापैनापनखत्महोजाताहै।जनहितसेजुड़ेमुद्दोंपरभीमामलाठंडापड़जाताहै।

अधिकारकेपक्षधरकहतेहैंकिजनतासेजुड़ेमुद्दोंमेंऐसाकोईप्रभावनहींपड़ताहै।राइटऑफरिप्लाईकीवजहसेजनताकीरुचिनहींघटतीहै। (15)

5

अधिकारकेविरोधीकहतेहैंकिकिसीअखबारयाब्रॉडकास्टरकोराइटऑफरिप्लाईकेतहतबाध्यनहींकियाजानाचाहिए।जिसव्यक्तियासमूहकेविषयमेंखबरदीजारहीहै, उसकेपासजनतातकअपनीबातपहुंचानेकेतमाममाध्यममौजूदहैं।

अधिकारकेपक्षधरोंकाकहनाहैकियेउम्मीदकरनागलतहैकिएकआमनागिरकएकसेज्यादाअखबारपढ़ेगायाविवादितमुद्दोंपरएकसेज्यादाशोदेखेगा।ऐसेमेंउसेमीडियामेंपूरेमामलेकासिर्फएकहीपहलूमिलेगाऔरउसकीधारणागलतबनेगी।

6

अधिकारकेविरोधी, खासतौरपरअमेरिकामें, येमानतेहैंकिकिसीकीमानहानिकेएवजमेंउसेमुआवजादियाजानाहीसबसेबड़ाअधिकारहै।इसकेअलावाखंडनभीबादमेंप्रकाशितकियाजासकताहै।

अधिकारकेपक्षधरकहतेहैंकिकोईभीमुआवजाउसछविकीक्षतिपूर्तिनहींकरसकताजोएकगलतखबरकेप्रकाशित/प्रसारितहोनेसेखराबहोतीहै।खंडनअक्सरखबरछपनेकेकाफीसमयबादछपताहैऔरवैसाप्रमुखस्थाननहींपाता, जितनाभ्रामकखबरकोदियागयाथा।ऐसेमेंएकगलतखबरसेखराबहुईछविकाअसरबहुतदूरतकजाताहै। (16)

राइटऑफरिप्लाईकासबसेव्यापकस्वरूप

फ्रांसमेंसिर्फखबरोंपरहीनहीं, यदिकिसीव्यक्तियासमूहकीआलोचनामेंकोईवैचारिकलेखछपताहैतोउसपरभीराइटऑफरिप्लाईकेतहतपक्षमांगाजासकताहै।मानाजाताहैकियेराइटऑफरिप्लाईकासबसेव्यापकस्वरूपहै।(17)

राइटऑफरिप्लाईकासंकीर्णतमस्वरूप

कुछदेशोंमेंजिसव्यक्तियासमूहकेखिलाफखबरप्रकाशित/प्रसारितहै, उसेहीयेसाबितकरनाहोताहैकियेखबरतथ्यात्मकरूपसेगलतहै। (18) येराइटऑफरिप्लाईकासंकीर्णतमस्वरूपहै।खबरप्रकाशित/प्रसारितहोनेकेबादबर्डनऑफप्रूफयानीउसेसहीसाबितकरनेकीजिम्मेदारीमीडियाकीहीहोनीचाहिए। (19)

राइटऑफरिप्लाईकासख्तस्वरूप

कईदेशोंमेंयदिकिसीव्यक्तियासमूहकीनकारात्मकछविपेशकरतीकोईतथ्यात्मकखबरभीछपतीहैतोउसकेलिएसंबंधितव्यक्ति/समूहकापक्षमांगाजाताहै।जरूरीनहींकिखबरगलतयामानहानिकरनेवालीहो, खबरछापनेकेलिएपक्षमांगाहीजाताहै।येराइटऑफरिप्लाईकासख्तस्वरूपहै।इसअधिकारकोलागूकरनेकेलिएयेभेदकरनाजरूरीहैकिकौनसीखबरकथिततौरपरछविखराबकरतीहैऔरकौनसीतथ्यात्मकरिपोर्टपरआधारितहै। (20)

स्पष्टहैकिजागरूकताऔरदंडनीयप्रावधानोंकेअभावमेंराइटटूरिप्लाईमीडियाकीमर्जीपरनिर्भरहोकररहगयाहै।आमलोगोंकेयेपताहीनहींकिअगरउनकेसम्मानकोमीडियाबेवजहचोटपहुंचाताहैतोउनकायेहकबनताहैकिवहअपनीबातउसीमीडियाकेजरिएलोगोंतकपहुंचाए।वर्तमानमेंपत्रकारउनकापक्षलेकरभीउनपरउपकारकरतेहैं।अगरयूरोपीयदेशोंकीतरहराइटटूरिप्लाईकोकानूनीदर्जामिलेतोआमलोगोंकेहितोंकोकाफीहदतकसंरक्षितकियाजासकताहै।भारतमेंअभीऐसेमामलोंमेंमानहानि (भारतीय दंड संहिता की धारा 499 से 502 के तहत) कानूनकाइस्तेमालकियाजाताहै।

1. This is the famous aphorism of A. J. Liebling, see LIEBLING: *The press.* New York: Ballantine Books, 1964, 30–31.
2. THE RIGHT OF REPLY *A Comparative Approach,* ANDRÁS KOLTAY , page 204
3. ERIC BARENDT: Inaugural Lecture – Press and Broadcasting Freedom: does anyone have any Rights to Free Speech? *Current Legal Problems* (1991) 44, 63. at 71.
4. See generally SANDRA COLIVER: Comparative Analysis of Press Law in European and other Democracies. In *Press Law and Practice – A Comparative Study of Press Freedom in European and other Democracies*. Article 19 – International Centre Against Censorship, 1993, 272–273.
5. Press Council of India, NORMS OF JOURNALISTIC CONDUCT, 2010 Edition, page 17-18
6. Resolution (74) 26, adopted on 2 July 1974. – all instruments of the Council of Europe are available at www.coe.int.

7. Resolution (74) 26, adopted on 2 July 1974. – all instruments of the Council of Europe are available at www.coe.int.
8. Resolution 1003 (1993).
9. *Miami Herald Publishing v. Tornillo*, 418 U.S. 241 (1974).
10. https://www.bbc.co.uk/editorialguidelines/guidelines/fairness/right-of-reply
11. STEPHEN SEDLEY: Information as a Human Right. In JACK BEATSON – YVONNE CRIPPS (eds.): *Freedom of Expression and Freedom of Information. Essays in Honour of Sir David Williams*. Oxford: Oxford University Press, 2000, 243.
12. Section 15 (2) of British Constitution
13. COLIVER (n. 4. above), 272–273.
14. This is the famous aphorism of A. J. Liebling, see LIEBLING: *The press.* New York: Ballantine Books, 1964, 30–31.
15. ROGER ERRERA: Press Law in France. In *Press Law and Practice*… (n. 1. above), 68.; ULRICH KARPEN: Freedom of the Press in Germany. In *Press Law and Practice*…(n. 1. above), 87–88.
16. Ibid., at 15.
17. ERRERA (n. 8. above), 68.
18. This is the Hungarian law, for example.
19. See the "presumption of falsity" in the United Kingdom and the *McVicar v. UK*(2002) decision by the European Court of Human Rights, 35 EHRR 22.
20. *Ibid*. 272. – This is the German, Dutch, Norwegian and Spanish solution.